विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 03-03-2021

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

1 - वर्ण की परिभाषा - ध्वनि का वह लघुतम अंश जो अंखंडित हो (जिसके खंड न किये जा सके) , वर्ण कहलाता है ।

उदाहरण के लिए - शब्द " रामः " में कुल 5 वर्ण है , अर्थात ये कुल 5 वर्णो से मिलकर बना है ।

र्+आ + म +अ +ः (विसर्ग को "स" से उच्चारित करते है) = " रामः "ये पांचो वर्ण अखंडित है , जो कि " रामः " वर्ण का निर्माण करते है ।

2 - संस्कृत वर्णमाला में कुल 13 स्वर (अ ,आ ,इ ,ई ,उ ,ऊ ,ऋ ,ऌ ,ॠ(रिरी) , ए ,ऐ ,ओ , औ) आदि होते है ।

3- इसके साथ ही संस्कृत वर्णमाला के कुल "33 हल " (व्यंजन) इस प्रकार है ।

संस्कृत वर्णमाला

⇒ ऊषम वर्ण - ये वे वर्ण होते है , जिनका उच्चारण करने में हमारे मुख से गर्म हवा निकलती है , इसलिए ऐसे वर्ण " ऊषम वर्ण " कहलाते है ।

4 - + 4 चार अयोगवाह इस प्रकार है ।

1 - ं - अनुस्वार

2 - ः - विसर्ग

3 - ≍ - " जिव्हामूलीय " क

4 - ≍ - " उपध्मानीय " प

➡ इस प्रकार कुल

अच् (स्वर) = 13

हल (व्यंजन) = 33

अयोगवाह = 4

कुल वर्ण = 50

नोट - अयोगवाह वर्णो का योग " प्रत्याहार " सूत्रो में नहीं होता है ।

5 - अच् (स्वर) कुल 3 (तीन) प्रकार के होते है ।

ध स्वर - (short vowels)

(1) दीर्घ स्वर - (long vowels)

(2) प्लुत स्वर - (protracted vowels)

(1) ह्रस्व स्वर - " ह्रस्व स्वर " के अंतरगर्त निम्नलिखित " वर्ण " आते है ।

अ , इ , उ , ऋ , लृ आदि 5 पांच वर्ण आते है ।

(2) दीर्घ स्वर - (long vowels) – दीर्घ स्वर के अन्तरगर्त निम्नलिखित वर्ण आते है ।

आ , ई , ऊ , ए , ,ओ , औ ,ऐ , ॠ (रीरी) आदि 8 आठ प्रकार वर्ण आते है ।

(2) प्लुत स्वर - प्लुत स्वरों को लिखने के दीर्घ स्वरों के आगे "३ " का चिन्ह का प्रयोग किया जाता है ।

जैसे कि - ओ३ म